पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड की

तिमाही 3 और वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए

कॉन्फ्रेंस कॉल

12 फरवरी, 2020

प्रबंधन : पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन की टीम

-	श्री राजीव शर्मा	-	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
-	श्री एन बी गुप्ता	-	निदेशक (वित्त)
-	श्री पी के सिंह	-	निदेशक (वाणिज्यिक)
-	श्री आर एस ढिल्लों	-	निदेशक (परियोजना)

संचालक : **सुश्री श्वेता दफ्तरदार- प्रभुदास लीलाधार प्राइवेट लिमिटेड**

संचालक

देवियो और सज्जनो, नमस्कार, मैं पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तीसरी तिमाही वित्तीय वर्ष 2020 की अर्निंग कॉन्फ्रेंस कॉल में आपका स्वागत करता हूँ जिसकी मेजबानी प्रभुदास लीलाधार प्राइवेट लिमिटेड कर रहा है। मैं आपको याद दिलाता हूँ कि सभी सहभागियों की लाइनें केवल सुनने के मोड (लिसेन-मोड) में रहेंगी। प्रेजेंटेशन समाप्त होने के बाद आपको प्रश्न पूछने का अवसर मिलेगा। अब मैं सम्मेलन का संचालन प्रभुदास लीलाधार प्राइवेट लिमिटेड से सुश्री श्वेता दफ्तरदार को सौंपता हूँ। आपका धन्यवाद और महोदया अब आप संचालन करें।

श्वेता दफ्तरदार

धन्यवाद फैज़ान और आप सभी को मेरा नमस्कार। प्रभुदास लीलाधार प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मैं श्वेता दफ्तरदार पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए तीसरी तिमाही वित्तीय वर्ष 2020 की अर्निंग कॉन्फ्रेंस कॉल में आपका स्वागत करती हूँ। आज हमारे साथ पीएफसी के श्री राजीव शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री एन बी गुप्ता, निदेशक (वित्त), निदेशक (वाणिज्यिक) श्री पी के सिंह, और निदेशक (परियोजना) श्री आर एस ढिल्लों मौजूद हैं। अब मैं श्री राजीव शर्मा से अनुरोध करती हूँ कि अब आप संचालन करें।

राजीव शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

धन्यवाद, आप सबको मेरा नमस्कार। मैं इस कॉन्फ्रेंस कॉल में आप सबका स्वागत करता हूँ। मुझे वित्तीय वर्ष 19-20 की तीसरी तिमाही के दौरान पीएफसी के कार्य-निष्पादन को आपके साथ साझा करने की खुशी है।

सबसे पहले, मैं बताना चाहूँगा कि हमारे निवेशकों के लिए मेरे पास कुछ बहुत अच्छी खबर है। जैसा हमने पिछले साल वादा किया था, मुझे यह बताते हुए खुशी है कि पीएफ़सी ने रुपए 9.5 प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश की घोषणा की है। मैं अपने सभी निवेशकों को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने पीएफ़सी में अपना भरोसा जताया और हमारा विश्वास है कि हम साल-दर-साल ऐसे शानदार रिटर्न देना जारी रखेंगे।

यह तिमाही वायदों को पूरा करने के बारे में है।

वित्तीय कार्य-निष्पादन की दृष्टि से, तीसरी तिमाही में, हमारा एकल निवल लाभ दूसरी तिमाही वित्तीय वर्ष 2020 की तुलना में 45% बढ़कर 1,680 करोड़ रुपए हो गया है। समेकित आधार पर, हमने तीसरी तिमाही में 3,387 करोड़ रुपए का निवल लाभ दर्ज किया है जो दूसरी तिमाही वित्तीय वर्ष 2020 की तुलना में 36% अधिक है।

यहाँ मैं यह भी बताना चाहूँगा कि पीएफ़सी ने कम कॉर्पोरेट कर दर लागू करने का विकल्प चुना है, जिसे सितंबर 2019 में शुरू किया गया। तदनुसार, कॉर्पोरेट कर 01 अप्रैल, 2019 से 34.94% से कम होकर 25.17% हो गया है। आगे बढ़ते हुए, महत्वपूर्ण कर बचत के कारण पीएफ़सी के नकदी प्रवाह पर इसका सकारात्मक प्रभाव होगा।

परंतु, कम दरों पर पहले के मान्यताप्राप्त डीटीए के पुनर्मापन के परिणामस्वरूप, ऐसे डीटीए का रिवर्सल होगा। यह वित्तीय वर्ष के लिए हमारे लाभों को प्रभावित करेगा। इस प्रकार, कर बचतों और डीटीए रिवर्सल पर विचार करने के बाद, नौ माह के लिए कर व्यय में 319 करोड़ रुपए की निवल वृद्धि हुई है, जो दिसंबर तिमाही के लिए हमारे लाभों में दिख रही है।

आगे, लाभ की दृष्टि से, मैं बताना चाहूँगा कि आरईसी ने हाल में अपने वित्तीय परिणामों में लाभांश की घोषणा की है। चूंकि आरईसी में पीएफसी की 52.63% इक्विटी हिस्सेदारी है, इसलिए चौथी तिमाही के लाभों में लगभग 1,143 करोड़ का लाभांश दिखाई देगा।

हमारे वित्तीय संकेतकों पर आते हुए, जैसा हमने पहले साझा किया था, इस तिमाही में भी, हमने हमारे प्रतिफल (यील्ड) को 10.60% की लक्षित रेंज के भीतर सफलतापूर्वक बनाए रखा है। साथ ही, हमने तिमाही-दर-तिमाही आधार पर निधियों की लागत में कमी हासिल की है। पहली तिमाही, वित्तीय वर्ष 2020 के लिए निधियों की लागत 7.90% थी, दूसरी तिमाही, वित्तीय वर्ष 2020 के लिए 7.82% और इस तिमाही के लिए यह 7.75% है। इस प्रकार नौ माह की अवधि के भीतर, हमारी लागत में 15 आधार बिंदु की कमी आई। इसके अतिरिक्त, स्थिर प्रतिफल और प्रतिस्पर्धी लागत के परिणामस्वरूप, स्प्रेड में भी वृद्धि देखी जा रही है। तीसरी तिमाही, वित्तीय वर्ष 2020 के लिए स्प्रेड 2.91% है, जो पहली तिमाही, वित्तीय वर्ष 2020 से 20 आधार बिंदु और दूसरी तिमाही, वित्तीय वर्ष 2020 से 13 आधार बिंदु अधिक है। मेरा मानना है कि हमारे वित्तीय संकेतक अब स्थिर हो गए हैं, और हमें उम्मीद है कि ये रेंज के भीतर बने रहेंगे।

एक और सकारात्मक बात, मै साझा करना चाहूँगा कि हमारा पूंजी पर्याप्तता अनुपात फिर से उसी स्तर पर आ गया है जो पीएफ़सी द्वारा आरईसी के अधिग्रहण से पहले था। जब हमने आरईसी का अधिग्रहण किया था तो उस समय पूंजीगत स्तर पर कई चिंताएँ थीं। हमने तब आश्वासन दिया था कि हम अपने पूंजी पर्याप्तता अनुपात को पुनः प्राप्त करेंगे। अब नौ माह की अवधि के भीतर ही, पीएफ़सी अपने पूंजी पर्याप्तता अनुपात को 19.32% तक पुनः प्राप्त करने में समर्थ हो गया है। वास्तव में, हमारा मौजूदा पूंजी पर्याप्तता अनुपात अधिग्रहण से पहले वाले स्तर से अधिक है। अधिग्रहण से पहले, हमारा पूंजी पर्याप्तता अनुपात 18.95% था और अब यह 37 आधार बिंदु बढ़कर 19.32% हो गया है। हमें उम्मीद है कि भविष्य में पूंजी पर्याप्तता अनुपात में और वृद्धि होगी।

यदि व्यवसाय वृद्धि की बात करें तो हमने तीसरी तिमाही, वित्तीय वर्ष 2020 के दौरान संवितरण में 26% की वृद्धि दर्ज की है अर्थात यह 14,648 करोड़ रुपए से 18,473 करोड़ रुपए हो गया है। तदनुसार, ऋण परिसंपत्तियों में 12% की वृद्धि हुई है।

परिसंपत्ति गुणवत्ता की बात करें, मैं आप सभी के साथ साझा करता रहा हूं कि हम दबावग्रस्त परिसंपत्ति के समाधान के लिए सक्रियता से काम कर रहे हैं। अब हमारे समाधान के प्रयास आपके सामने हैं। 31 दिसंबर, 2019 तक हमारे सकल एनपीए में 1.13% की कमी आई है। यह दिसंबर 2018 के 9.47% के मुक़ाबले 8.34% हो गई है। हमारे निवल एनपीए अनुपात में तिमाही-दर-तिमाही कमी आ रही है। तीसरी तिमाही वित्तीय वर्ष 2020 का निवल एनपीए अनुपात 3.94% है जो दूसरी तिमाही में 4.28% और पहली तिमाही में 4.65% था। साथ ही यह पिछले दो वर्षों में सबसे कम निवल एनपीए अनुपात है। एनपीए में यह सुधार वर्ष के दौरान 2,650 करोड़ रुपए की दो दबावग्रस्त परिसंपत्तियों अर्थात जीएमआर छत्तीसगढ़ और हाल ही में 1,720 करोड़ रुपए की रत्नइंडिया अमरावती के समाधान के परिणामस्वरूप हुआ है, जिनमें ओटीएस के माध्यम से यह समाधान किया गया है। हमने पहले ही इस परियोजना के लिए पर्याप्त प्रावधान किए हुए हैं। इसलिए, हमने अपने लाभों में कोई अतिरिक्त नुकसान नहीं लिया है। ये सकारात्मक विकास संबंधी कार्य दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए पीएफसी के निरंतर प्रयासों को मजबूत करते हैं, और मुझे उम्मीद है हम आने वाले वर्षों में कुछ और हम आने वाले वर्ष में कुछ और परिसंपत्तियों में समाधान तक पहुंचेंगे।

इस अवसर पर, मैं बताना चाहूँगा कि पीएफ़सी द्वारा आने वाले कुछ महीनों में लगभग 9,078 करोड़ रुपए की छह परियोजनाओं में समाधान की परिकल्पना की जा रही है। अब मैं आपको इन छह परियोजनाओं की समाधान स्थिति के बारे में जल्दी से अपडेट करना चाहूँगा। इन छह परियोजनाओं में से, तीन परियोजनाओं का एनसीएलटी से बाहर समाधान किया जा रहा है, और तीन परियोजनाओं का एनसीएलटी के माध्यम से समाधान किया जा रहा है।

तीन परियोजनाओं से शुरुआत करते हुए, जिनको एनसीएलटी के बाहर से समाधान किया जा रहा है

- पहले, हमारे पास 4x360 मेगावाट आरकेएम पावरजेन परियोजनाएं थीं, जिनकी ऋण राशि 5,163 करोड़ रुपए थी। इस परियोजना में, समाधान योजना को पीएफ़सी एवं पाँच अन्य ऋणदाताओं द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है। दो अन्य कंशोर्सीयम ऋणदाताओं से अनुमोदन बाकी है। मुझे आपको बताते हुए खुशी है कि 01 फरवरी से इस परियोजना से 550 मेगावाट के लिए तेलंगाना को विद्युत आपूर्ति शुरू हो गई है, जैसा पायलट योजना I के अंतर्गत परिकल्पना की गई है।
- दूसरी परियोजना एस्सार ट्रांसमिशन है जिसकी ऋण राशि 438 करोड़ रुपए है। ऋणकर्ता और मुख्य वित्तीय संस्था अर्थात आरईसी जिसने पहले ही योजना अनुमोदित कर दी है, द्वारा समाधान योजना प्रस्तुत कर दी गई है। आज, पीएफ़सी के निदेशक मंडल ने भी योजना को अनुमोदन प्रदान कर दिया है। केवल एक्सिस बैंक का अनुमोदन शेष है जो जल्द ही प्राप्त कर लिया जाएगा।

- अगली परियोजना 3x150 मेगावाट इंडिया पावर हल्दिया है जिसकी ऋण राशि 960 करोड़ रुपए है। ऋणदाताओं द्वारा इस परियोजना के लिए समाधान योजना को अंतिम रूप दे दिया गया है और अनुमोदन प्रक्रिया जारी है।

यदि अन्य तीन परियोजनाओं की बात करें जिनका एनसीएलटी के माध्यम से समाधान किया जा रहा है। हमारे पास 600 मेगावाट की झाबुआ पावर परियोजना जिसकी ऋण राशि 764 करोड़ रुपए है। दूसरी परियोजना 3x40 मेगावाट जल पावर परियोजना है जिसकी ऋण राशि 386 करोड़ रुपए है। और आखिरी परियोजना 2x350 मेगावाट की इंड-बरथ उत्कल परियोजना है जिसकी ऋण राशि 1,368 करोड़ रुपए है। इन सभी तीन परियोजनाओं में समाधान योजना या ओटीएस एनसीएलटी के अनुमोदन के अधीन है।

इन सभी छह परियोजनाओं के संबंध में हमने 47% प्रावधान मेंटेन किया है, हमारा मानना है जो पर्याप्त है। इन छह परियोजनाओं के समाधान से हमें निकट भविष्य में हमारे सकल एनपीए अनुपात में 5% की कमी आने की उम्मीद है।

आगे बढ़ते हुए, सरकार के विभिन्न प्रयासों को देखते हुए, मैं दबावग्रस्त समाधान को लेकर आशावान हूं। मुझे यह साझा करते हुए खुशी है कि हाल ही में पायलट पीपीए स्कीम II के अंतर्गत, 3.26 करोड़ रुपए टैरिफ पर पीपीए की 2,500-मेगावाट विभिन्न दबावग्रस्त परियोजनाओं को आवंटित किए गए हैं। पीएफ़सी की कई परियोजनाओं को भी इस योजना के अंतर्गत पीपीए प्राप्त हुए हैं जैसे एस्सार महान और एमबी पावर को क्रमशः 260-मेगावाट और 150-मेगावाट।

अब ऋण पोर्टफोलियो के मोर्चे पर, आप सभी के साथ बातचीत के दौरान, हम लगातार अपनी ऋण राशियों में विविधता लाने के अपने उद्देश्य पर जोर दे रहे हैं। मुझे यह साझा करते हुए खुशी है कि भारतीय और विदेशी बाजार दोनों के संबंध में हमारी विविधता लाने संबंधी यात्रा जारी है।

घरेलू मोर्चे पर, दिसंबर, 2019 में सरकार ने भारत ईटीएफ़ बॉण्ड अंब्रेला कार्यक्रम लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य सरकारी संगठनों के लिए धन के अतिरिक्त स्रोत का सृजन करना है। पीएफ़सी ने ईटीएफ़ बॉण्ड के निर्गम के पहले ट्रेंच में भाग लिया था और 2500 करोड़ रुपए की राशि जुटाई। अब ईटीएफ़ बॉण्ड के माध्यम से, पीएफ़सी के पास घरेलू बाजार में दूसरा निधीयन उपलब्ध है। साथ ही, हम 54ईसी पूंजीगत लाभकर छूट बॉण्ड के अंतर्गत निधीयन में प्रगतिशील वृद्धि देख रहे हैं, जिसमें 5.75% का कम कूपन है। पिछले केवल नौ माह की अवधि में इन बॉण्डों के अंतर्गत जुटाव वित्तीय वर्ष 18-19 की तुलना में दुगुना रहा है।

अंतरराष्ट्रीय जुटाव के संबंध में, पीएफ़सी ने जीएमटीएन कार्यक्रम के अंतर्गत बॉण्ड निर्गम के माध्यम से पिछले महीने 750 मिलियन यूएस डॉलर जुटाए। इस बॉण्ड का कूपन 3.95% और अवधि 10.25 वर्ष है। इसके अतिरिक्त, हमारे विविधता संबंधी लक्ष्य के अनुरूप, इस बॉण्ड निर्गम के साथ, हम अमेरिकी बाजारों को टैप करके अपने निवेशक आधार में विविधता लाने में समर्थ हो गए हैं। हमने अमेरिकी बाजारों से 42% के करीब भागीदारी देखी। अब, विदेशी मुद्रा ऋण राशियाँ हमारी कुल बकाया ऋण राशियों की लगभग 15% के करीब हैं। विदेशी मुद्रा ऋण राशि पोर्टफोलियो और उस से उत्पन्न होने वाले जोखिमों को देखते हुए, पीएफ़सी भी अपने विदेशी ऋण राशि पोर्टफोलियो की हेजिंग पर सक्रिय रूप से ध्यान केंद्रित कर रहा है। अगर हम देखें, तो पीएफसी ने पहले से ही पांच साल तक की अवशिष्ट परिपक्वता के साथ पोर्टफोलियो के लिए विनिमय जोखिम के 67% को हेज़ किया है। इस प्रकार, हम अपने तुलन-पत्र को विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। इस प्रकार, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में विविधीकरण के लिए हमारे निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप पीएफसी के लिए वित्तपोषण लागत कम हो गई है।

मुझे पता है कि पिछले कुछ हफ्तों में, कुछ समाचार लेख आ रहे हैं, जिसमें पीएफसी-आरईसी विलय, क्रेडिट एक्सपोजर सीमा और उधार लेने की सीमा आदि पर बाधाएं इंगित की गई हैं। इस पर, मैं स्पष्ट करना चाहूंगा। आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार, क्रेडिट एक्सपोजर सीमाएँ ऋण देने वाली संस्था की नेटवर्थ से जुड़ी होती हैं। इसलिए, यदि विलय होता है, तो ऋण देने की सीमा विलय की गई एंटिटी की कुल नेटवर्थ पर दिखाई देगी। इसलिए, क्रेडिट एक्सपोज़र सीमाएं विलय को रोक देने का कारण नहीं हैं। हमने इस आशय का स्पष्टीकरण भी जारी किया। इसी तरह, हम ऋण सीमाओं को विलय के लिए एक सीमित कारक के रूप में भी नहीं देखते हैं। पीएफसी के लिए एकमात्र डील ब्रेकर विलय पर सरकारी इक्विटी हिस्सेदारी का 51% से नीचे होना है। हम इस बात को दोहराना चाहेंगे कि सरकार का इरादा पीएफसी और पीएफसी तथा आरईसी की विलय की गई एंटिटी में प्रबंधन नियंत्रण भी जारी रखना है। उपलब्ध विभिन्न विकल्पों को ध्यान में रखते हुए, अंतिम निर्णय लिया जाएगा।
मुझे उम्मीद है कि मैं विलय संबंधी डील पर आपकी चिंताओं को दूर कर पाया हूं। और अब आप हमसे प्रश्न पूछ सकते हैं।

संचालक
आपका बहुत बहुत धन्यवाद। अब हम प्रश्न एवं उत्तर सत्र शुरू करते हैं। (संचालक अनुदेश) पहला प्रश्न डीएसपी म्यूचूअल फंड के गोपाल अग्रवाल की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछिए।

धवल गडा, डीएसपी म्यूचूअल फंड
नमस्कार, मेरा नाम धवल है। यह अवसर देने के लिए धन्यवाद और कोटि-कोटि बधाइयां। आपके द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों के संबंध में कुछ प्रश्न हैं, महोदय एक्सपोजर और वर्तमान स्थिति के अनुसरण में एस्सार महान की स्थिति क्या है? और इसी तरह, यदि आप एमबी पावर के संबंध में कुछ प्रकाश डाल सकते हो तो, समाधान और हमारे वर्तमान बकाया एक्सपोजर के मामले में हम कहां पर हैं।

पीएफ़सी प्रबंधन
एक, एमबी पावर एक मानक परिसंपत्ति है और हम नियमित रूप से भुगतान प्राप्त कर रहे हैं। इसलिए एमबी पावर में कोई समस्या नहीं हैं। जहां तक एस्सार महान का संबंध है, लीड आईसीआईसीआई बैंक है। हम प्रक्रिया को पूरा कर रहे थे, लेकिन बीच में, हमें आर्सेलर मित्तल से एक प्रस्ताव मिला, परंतु यह एक मजबूत प्रस्ताव नहीं था। लेकिन फिर, आईसीआईसीआई अन्य ऋणदाताओं के साथ काम कर रहा है। और डेवलपर को अपनी गंभीरता और दृढ़ प्रतिबद्धता दिखाने के लिए कम से कम 35 करोड़ रुपए का प्रतिबद्धता शुल्क देने के लिए कहा गया है। इसलिए हम सही रास्ते पर हैं। और बहुत जल्द, हम इसका भी समाधान करने में समर्थ होंगे। इस पायलट योजना में एस्सार महान को 260 मेगावाट का पीपीए प्राप्त हुआ है। तो यह एक सकारात्मक विकास को दर्शाता है। और हमारे पास एस्सार महान में 1,300 करोड़ रुपए का एक्सपोजर है।

धवल गडा
और एमबी पावर में?

पीएफ़सी प्रबंधन
एमबी पावर एक मानक परिसंपत्ति और हमें नियमित भुगतान प्राप्त हो रहे हैं। इसमें एक्सपोजर 1,000 करोड़ रुपए के आस-पास हो सकता है?

धवल गडा
ठीक है, महोदय एक और बात, केएसके महानदी की स्थिति और समाधान प्रक्रिया और वहां हमारा एक्सपोजर क्या है? यह कैसा चल रहा है?

पीएफ़सी प्रबंधन
हमारा एक्सपोजर 2,500 करोड़ रुपए के करीब है और आरपी को नियुक्त कर दिया गया है। मुझे लगता है कि पहले के आरपी को बदल दिया गया है। इसलिए अब एनसीएलटी में प्रक्रिया शुरू हो रही है। इसमें 3,300 करोड़ रुपए का एक्सपोजर है।

धवल गडा
जी महोदय, इसलिए यह हमारे लिए एनपीए है?

पीएफ़सी प्रबंधन
जी हाँ, केएसके एनपीए है।

धवल गडा
जी, एक और प्रश्न था, महोदय, रत्तनइंडिया नासिक। हम उसकी स्थिति और वहां हमारे एक्सपोजर के मामले में कहाँ पर हैं?

पीएफ़सी प्रबंधन
रत्तन इंडिया अमरावती 31 दिसंबर को पहले ही बंद हो गई है। नासिक के संबंध में हम कार्य कर रहे हैं। हम 540-मेगावॉट पीपीए को बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। हम जिस समस्या का सामना कर रहे हैं वह बैंकों से बैंक गारंटी प्राप्त करना है। लेकिन हम लगातार ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं। और नासिक में हमारे पास 3,000 करोड़ रुपए का एक्सपोजर है। हम महाराष्ट्र सरकार से भी परामर्श कर रहे हैं। पहले भी हमने कोशिश की थी। लेकिन अब फिर से हमें नासिक में कुछ दिलचस्पी के संकेत मिले हैं। इसलिए हम फिर से उनके साथ बातचीत कर रहे हैं।

धवल गडा
ठीक है महोदय, और आखिर में रिलायंस पावर के बारे, विभिन्न परियोजनाओं की स्थिति और हमारा कुल एक्सपोजर क्या है?

पीएफ़सी प्रबंधन
यह मानक परिसंपत्ति है। इसमें हमें कोई दिक्कत नहीं है। सासन में हमारा एक्सपोजर है जो 96% पीएलएफ़ की दर से ऑपरेट किया जा रहा है जो भारत में सबसे सस्ती विद्युत है। हम भुगतान समय पर प्राप्त कर रहे हैं। हमारा कुछ एक्सपोजर वितरण कंपनियों में भी है। इनमें भी नियमित रूप से भुगतान किया जा रहा है। अतएव हमें इसमें कोई दिक्कत नहीं है।

धवल गडा
और महोदय हमारा कुल एक्सपोजर लगभग कितना होगा?

पीएफ़सी प्रबंधन
सासन में लगभग 1,500 करोड़ रुपए

धवल गडा
ठीक है महोदय, सासन में, ठीक है समझ गया

पीएफ़सी प्रबंधन
और डिस्कॉम में लगभग 1,000 करोड़ है। बीएसईएस और राजधानी दोनों में लगभग 2,000 करोड़ है।

धवल गडा
ठीक है, बिलकुल ठीक, आपका बहुत बहुत धन्यवाद महोदय।

पीएफ़सी प्रबंधन
आपका बहुत-बहुत धन्यवाद

संचालक

धन्यवाद। (संचालक का अनुदेश) अगला प्रश्न बी एंड के सिक्योरिटीज से जय मुंधरा से है। कृपया प्रश्न पूछें।

जय मुंधरा

जी। हाँ महोदय। अवसर देने के लिए धन्यवाद। महोदय, क्या आप जेपीवीएल और लैनको और आपके होने वाले एक्सपोजर के बारे में बात कर सकते हैं? और आप उसके समाधान के लिए क्या कर रहे हैं?

पीएफसी प्रबंधन

जेपी में, हमारा कोई एक्सपोजर नहीं है। और लैनको-अमरकंटक लैनको की एकमात्र परियोजना है, जहां हमारा एक्सपोजर है। यह एनसीएलटी में है। और चार यूनिटों में से दो यूनिट प्रचालन के अधीन है। उनका पीपीए है, एक हरियाणा के साथ, एक मध्य प्रदेश के साथ। और प्रक्रिया अनवरत चल रही है।

पीएफसी प्रबंधन

और हमारा एक्सपोजर 2300 करोड़ रुपए के लगभग है।

जय मुंधरा

सही कहा। पर क्या आप इसके लिए कोई समाधान कर रहे हैं?

पीएफसी प्रबंधन

जी, बहुत ज्यादा। हमें कई बड़ी पार्टियों से कुछ रुचि प्रकटन प्राप्त हुए हैं। मैं इस संबंध में जानकारी साझा नहीं कर सकता।

जय मुंधरा

ठीक है। दूसरी, महोदय, जिंदल इंडिया थर्मल, कोस्टल एनर्जेन जैसे बड़े नामों पर?

पीएफसी प्रबंधन

नहीं, हमारा किसी जिंदल कंपनी में कोई एक्सपोजर नहीं है।

जय मुंधरा

ठीक है। और कोस्टल एनर्जेन, महोदय?

पीएफसी प्रबंधन

हमारा कोई एक्सपोजर नहीं है, महोदय।

जय मुंधरा

ठीक है। और महोदय, जो अच्छा कर रहे हैं, क्या आपने उनके किसी स्टैंडर्ड आईसीएस पर हस्ताक्षर किए हैं, किन्तु बजाज हिंदुस्तान या ललितपुर पावर जैसी कंपनियां जो स्टैंडर्ड श्रेणी में आती हैं, उनके आईसीए पर हस्ताक्षर किए गए हैं?

पीएफसी प्रबंधन

नहीं, नहीं। हमने बजाज हिंदुस्तान में नहीं किया।

किंतु बैंकों द्वारा जब स्टैंडर्ड आईसीए पर हस्ताक्षर किए गए, तो हमने भी उसपर हस्ताक्षर किए हैं। किंतु विशिष्ट परियोजना के लिए हम अलग से आईसीए पर हस्ताक्षर कर रहे हैं।

जय मुंधरा

ठीक है। किंतु आप ऋणदाताओं के साथ नहीं होंगे, तो यह समझे?

नहीं, हम अन्य ऋणदाताओं के साथ हैं, जिनपर हमने हस्ताक्षर किए हैं। हम अकेले कैसे हस्ताक्षर कर सकते हैं?

जय मुंधरा

सही, सही, सही। तो महोदय, जहां आपने हस्ताक्षर किए हैं, उन आईसीए मामलों पर आपका क्या पोर्टफोलियो है जैसे ललितपुर पावर, जीएमआर वरोरा?

पीएफसी प्रबंधन

न तो पीएफसी जीएमआर वरोरा में है और न ही ललितपुर में।

जय मुंधरा

ठीक, महोदय। किंतु आप कहां होंगे? मेरा मतलब है, आईसीए मामलों में आपका क्या पोर्टफोलियो है?

पीएफसी प्रबंधन

जो परियोजनाएं केवल एनपीए हैं, उनकी स्थिति में, हम आईसीए पर हस्ताक्षर कर रहे हैं जैसे आरकेएम पावर।

जय मुंधरा

ठीक है। क्या आप नाम बता सकते है, महोदय, मेरा मतलब है, आपका आईसीए पोर्टफोलियो क्या है, हालांकि वे एनपीए हैं?

पीएफसी प्रबंधन

15 मामले एनसीएलटी में हैं। हमारी करीबन 29,000 करोड़ रुपए की दबावग्रस्त परिसंपत्तियां हैं। करीबन 15* परियोजनाओं को हम एनसीएलटी से बाहर समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं और 15 परियोजनाओं को एनसीएलटी के भीतर। तो एनसीएलटी से बाहर, हम आईसीए पर हस्ताक्षर करेंगे। यदि सभी ऋणदाता एक साथ

होते हैं तो हम हस्ताक्षर करते हैं। यदि वो एक साथ नहीं होते हैं तो हम हस्ताक्षर नहीं करते हैं। एनसीएलटी से बाहर, करीबन 13,000 करोड़ की दबावग्रस्त परिसंपत्तियां हैं।

*ये 14 परियोजनाएं हैं।

जय मुंधरा

ठीक है, महोदय। धन्यवाद। महोदय मैं बाद में प्रश्न पूछता हूँ।

पीएफसी प्रबंधन

बहुत-बहुत धन्यवाद। धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न टाटा एआईए से शशांक की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।

शशांक खेतावत, टाटा एआईए

नमस्कार। अवसर प्रदान करने के लिए धन्यवाद। क्या आप साउथ ईस्ट यूपी ट्रांसमिशन के समाधान पर कोई अद्यतित जानकारी देना चाहते हैं?

पीएफसी प्रबंधन

जी हाँ, यह अभी एनसीएलटी में दाखिल किया जाना है। यह एनसीएलटी इलाहाबाद में है।

हमें कमीशंड पोर्शन का भुगतान प्राप्त हो रहा है। अतः यूपी लगातार भुगतान कर रही है, क्योंकि वे उस लाइन का उपयोग कर रहे हैं।

शशांक खेतावत

ठीक है। और क्या इसे यूपी राज्य सरकार द्वारा टेकओवर कर लिया गया है?

पीएफसी प्रबंधन

अभी नहीं। यह एनसीएलटी में है। हमने बहुत कोशिश की, परंतु वे नहीं माने। तो अब हम एनसीएलटी में चले गए।

शशांक खेतावत

ठीक है। और क्या शिगा एनर्जी, डांस एनर्जी पर कोई अद्यतन जानकारी देना चाहते हैं? क्योंकि पिछली किसी एक कॉल में यह बताया गया था कि ये परियोजनाएं भुगतान कर रही हैं। तो क्या इन्हें स्टैंडर्ड श्रेणी में ला दिया गया है?

पीएफसी प्रबंधन

अभी नहीं, किंतु समाधान प्रक्रिया अंतिम चरण पर है। मैं बताना चाहता हूँ कि हमें हमारे मूलधन का भी भुगतान प्राप्त हो सकता है। इन दोनों परियोजनाओं में समाधान अंतिम चरण पर है।

और वर्ष के दौरान, हमें डांस एवं शिगा से 70.92 करोड़ रूपए लगभग 70 करोड़ रुपए प्राप्त हुए।

शशांक खेतावत

ठीक। ठीक। और प्रेजेंटेशन में जिन छह परियोजनाओं के बारे में आपने उल्लेख किया था, उनके लिए समाधान कब तक हो जाएगा, क्या कोई समय-सीमा है?

पीएफसी प्रबंधन

उनमें से कुछ का 31 मार्च तक समाधान हो सकता है। जैसे एस्सार ट्रांसमिशन के लिए आज हमारे बोर्ड ने समाधान योजना को अनुमोदन प्रदान किया है। उन्होंने इसे अनुमोदित कर दिया। मुझे लगता है केवल एक ऋणदाता बचा है, एक्सिस बैंक। वे अगली बोर्ड बैठक में अनुमोदन प्रदान करेंगे। अतः यह समाप्त हो गया। दूसरा है हलदिया, आईपीजी। यह पश्चिम बंगाल में तापीय परियोजना है। तो आरईसी मुख्य भूमिका में है। उन्होंने इसे 4 तारीख को अनुमोदित कर दिया है। और आज हमने इसे अनुमोदित कर दिया है। तो यह अब प्रक्रिया में है। यह एक औपचारिकता है।

अन्य चार परियोजनाएं आरकेएम पावरजेन हैं, जिसके बारे में मैंने बताया है कि 1 फरवरी से उन्होंने तेलंगाना को 550 मेगावाट पावर की आपूर्ति शुरू कर दी है। और हमारे बोर्ड ने समाधान योजना को पहले ही अनुमोदित कर दिया है और आरईसी बोर्ड अगली बैठक में अनुमोदन प्रदान करेंगे। और हम बैंक ऑफ बड़ोदा के संपर्क में हैं।

तो केवल आरईसी और बैंक ऑफ बड़ोदा ही बचे हैं। मैं लगातार उनके संपर्क में हूँ। आरईसी ने मुझे आश्वस्त किया है कि अगली बोर्ड बैठक में इसे अनुमोदित कर दिया जाएगा। कार्यसूची तैयार है। मैं सीएमडी, बैंक ऑफ बड़ोदा के भी संपर्क में हूँ। वे भी अनुमोदन दे देंगे। तो यह आरकेएम पावरजेन के बारे में है।

इससे अन्य झबुआ है, जिसमें एनटीपीसी सफल बोलीदाता है। हम सभी साधनों के लिए तैयार हैं और हम एनसीएलटी में जाएंगे। एनसीएलटी इसे स्वीकार करने के लिए दो या तीन सुनवाई करती है। अतः यह प्रक्रिया में है। इस प्रकार अन्य झबुआ है।

अन्य जल पावर है। यह सिक्किम में जल-विद्युत परियोजना है और एनएचपीसी इसका सफल बोलीदाता है। इस प्रकार सभी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। और मुझे विश्वास है कि दो या तीन सुनवाई में यह पूर्ण हो जाएगी। मुझे लगता है कि अगली सुनवाई 14 तारीख को है। इस प्रकार सामान्यतः एनसीएलटी में हमारा अनुभव है कि दो या तीन सुनवाई के अंदर समाधान प्रक्रिया पूर्ण हो जाएगी। तो हो सकता है कि 31 मार्च तक या तिमाही एक में यह समाप्त हो जाएगा। किंतु यह अच्छी गति पर है, मैं कह सकता हूँ।

अन्य है इंड बरथ उत्कल, इसमें भी जेएसडबल्यू सफल बोलीदाता है। तो सभी साधन पूर्ण हैं और यह यह भी अगले वर्ष 31 मार्च तक या पहली तिमाही में पूर्ण हो जानी चाहिए। मुझे लगता है मैंने सभी चारों के बारें में बता दिया है। ठीक है।

शशांक खेतावत

ठीक है। तो क्या यह कहना उचित होगा कि अगली दो तिमाहियों या अधिकतम तीन तिमाहियों में हम इन सभी को स्टैंडर्ड श्रेणी में पाएंगे?

पीएफसी प्रबंधन

जी हाँ, ये हमारी बही में नहीं होंगी और हमारा सकल एनपीए एवं निवल एनपीए नीचे जाएगा। और मेरी पूंजी पर्याप्तता में भी सुधार होगा।

पीएफसी प्रबंधन

देखिए, जैसा मैंने बताया है, कुल सकल एनपीए करीबन 27,000 करोड़ रुपए है। और 6 परियोजनाएं करीबन 9,000 करोड़ रुपए की हैं, जो मेरी कुल दबावग्रस्त परिसंपत्तियों का करीबन एक तिहाई है। आज हमारा सकल एनपीए 8.34% है। तो इसके एक तिहाई में कमी आएगी। अंततः इन छह परियोजनाओं के समाधान पर एनपीए 5% से 5.5% तक होगा।

शशांक खेतावत

ठीक है। और विशेषकर आईपीसीएल हलदिया के लिए, शायद मुझे लगता है, पिछली तिमाहियों में से एक में ये स्टैंडर्ड में अपग्रेड हो गई थी। और फिर से यह एनपीए श्रेणी में चली गई।

पीएफसी प्रबंधन

नहीं, नहीं, नहीं। यह कभी भी अपग्रेड नहीं हुई थी।

शशांक खेतावत

ठीक है। धन्यवाद।

पीएफसी प्रबंधन

बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न डच बैंक से शंकर नारायण राम सुब्रमनीयम से है। महोदय, कृपया प्रश्न पूछें। महोदय आपकी लाइन टॉक मोड में है। कृपया प्रश्न पूछें।

शंकर नारायण राम सुब्रमनीयम, डच बैंक

हेलो, क्या आप मुझे सुन सकते हैं?

संचालक

जी हाँ, हम आपको सुन सकते हैं। कृपया प्रश्न पूछें।

शंकर नारायण राम सुब्रमनीयम

जी हाँ। इस वर्ष के लिए आपके विदेशी मुद्रा ऋण के लक्ष्य को आपने 3.7 बिलियन यूएस डॉलर तक बढ़ा दिया है। अतः इस वर्ष अब तक, आपने संचयी रूप से 2.8 बिलियन यूएस डॉलर का ऋण लिया है। तो इस प्रकार यह अतिरिक्त 900 मिलियन यूएस डॉलर की यूएसडी बॉरोइंग को दर्शाता है। तो क्या आप इसके लिए बॉण्ड या ऋण जारी करने की योजना बना रहे हैं?

पीएफसी प्रबंधन

देखिए, विदेशी मुद्रा में हमारा कुल एक्सपोजर करीबन 6 बिलियन यूएस डॉलर है। इस वर्ष हमने 2.8 बिलियन यूएस डॉलर अर्जित किए हैं। तो स्पष्ट रूप से आपका प्रश्न क्या है?

शंकर नारायण राम सुब्रमनीयम

मुझे लगता है कि बोर्ड संकल्प में, आपने अपनी बॉरोइंग सीमा 3.7 बिलियन यूएस डॉलर तक बढ़ा दी है। अतः इस वर्ष के लिए 900 मिलियन यूएस डॉलर की अतिरिक्त बॉरोइंग है, आप इसे बॉण्ड या अकेले ही करेंगे?

पीएफसी प्रबंधन

देखिए, हम उचित समय पर अपना निर्णय देंगे। किन्तु हमने यह किया है कि इस वित्तीय वर्ष में 19,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त बॉरोइंग पावर हो गई है। और बाजार परिस्थितियों के आधार पर हम विदेशी बाजार या घरेलू बाजार में जाने का निर्णय लेंगे।

शंकर नारायण राम सुब्रमनीयम

ठीक है। मैं समझ गया। ठीक। और इस मर्जर पर क्या आप हमें कोई समय-सीमा दे सकते हैं, क्योंकि इस पर पिछले अप्रैल से चर्चा चल रही है? तो इसके पूर्ण होने के संबंध में क्या आप कोई समय-सीमा देना चाहेंगे?

पीएफसी प्रबंधन

समय-सीमा देना काफी मुश्किल है। हमारा स्वामी विद्युत मंत्रालय है। हमने विद्युत मंत्रालय से इसके पक्ष-विपक्ष एवं मर्जर में सिनर्जी तथा संबद्ध मुद्दों की जांच करने के लिए कंसल्टेंट नियुक्त करने के लिए बात की। तो हमने डेलोएट को नियुक्त किया। डेलोएट ने पक्ष-विपक्ष एवं सिनर्जी पर गहन रिपोर्ट तैयार की। उन्होंने पीएफसी प्रबंधन को प्रस्तुतीकरण दिया और फिर विद्युत मंत्रालय को। हमने वह रिपोर्ट विद्युत मंत्रालय को प्रस्तुत की और मंत्रालय उसकी जांच कर रहा है। अंतिम निर्णय मंत्रालय द्वारा लिया जाना है। वे हमारे स्वामी हैं। अतः मैं आपको समय-सीमा नहीं दे सकता। समय-सीमा मंत्रालय द्वारा दी जा सकती है, क्योंकि अंततः अंतिम निर्णय सरकार द्वारा लिया जाना है न कि हमारे द्वारा।

शंकर नारायण राम सुब्रमनीयम

ठीक। सही है। मैं समझ गया। धन्यवाद। बस यही पूछना था।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न आईडीएफ़सी सिक्युरिटीज से महरुख अदजानिया से है। कृपया प्रश्न पूछें।

महरुख अदजानिया, आईडीएफ़सी सिक्युरिटीज

जी हाँ। नमस्कार महोदय। बस एक स्पष्टीकरण चाहिए। आरकेएम पावरजेन एनपीए नहीं है, सही, यह स्टैंडर्ड है?

पीएफसी प्रबंधन

देखिए, यह हमारी बही में चरण 3 में है। क्योंकि इंड एएस के बाद, हम परिसंपत्तियों को चरण एक, दो, तीन में वर्गीकृत कर रहे हैं। अतः हमने इस आरकेएम को चरण 3 में वर्गीकृत किया है।

महरुख अदजानिया

ठीक महोदय। महोदय और अन्य बात यह है कि रिपोर्ट है कि रिलाएंस अपनी दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी से सेल आउट करना चाह रहा है। महोदय, क्या इसमें कोई प्रगति हुई? या और कुछ--

पीएफसी प्रबंधन

मैं इससे अवगत नहीं हूँ। मैंने किसी मीडिया रिपोर्टों में भी पढ़ा है कि वे सेल अप करने की प्रक्रिया में हैं, पर हम इसके बारें में अवगत नहीं हैं।

महरुख अदजानिया

किन्तु उन्हें आपको लूप में रखना चाहिए, यदि आप ऋणदाता हैं?

पीएफसी प्रबंधन

उन्हें हमारा अनुमोदन लेना पड़ेगा, किन्तु वे अभी तक हमारे पास नहीं आए हैं। मुझे अभी तक कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है। किन्तु यह हमारे लिए अच्छा होगा, यदि अच्छी पार्टी आती है तो। जैसा मैं कहा था कि अदानी और टोरेंट कतार में हैं। मुझे यह बाजार से पता चला है। लेकिन अब तक, यह स्टैंडर्ड परिसंपत्ति है और हमें लगातार भुगतान प्राप्त हो रहा है, अतः इससे कोई विवाद नहीं है।

महरुख अदजानिया

समझ गया महोदय। ठीक। धन्यवाद।

पीएफसी प्रबंधन

धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न डाइवा कैपिटल से पुनीत श्रीवास्तव से है। कृपया प्रश्न पूछें।

पुनीत श्रीवास्तव

जी हाँ। गुड इवनिंग महोदय। बस महोदय, मर्जर पर कुछ ओर स्पष्टीकरण पूछना था इसी बीच लाइन कट गई थी। महोदय, आपने कहा था कि एक्सपोजर सीमा, न्यूज जो समाचार-पत्र में सामने आ रही है, वह गलत है, सही कहा? ऐसा हमने सुना है।

पीएफसी प्रबंधन

जी हाँ।

पुनीत श्रीवास्तव

तो क्या 20% बनाम 25% की एक्सपोजर सीमा प्रासंगिक नहीं है और केवल एक मुद्दा सरकारी धारण है।

पीएफ़सी प्रबंधन

बिल्कुल, बिल्कुल, क्योंकि यह एक्सपोज़र नेट-वर्थ पर निर्भर करता है।

पुनीत श्रीवास्तव

महोदय मैं बैंक के नेटवर्थ के बारे मेंबात कर रहा हूँ। क्योंकि बैंक के लिए, आरबीआई की एक सीमा है कि बैंक, समूह एंटीटीयों को 25% और सिंगल एंटीटी को 20% से अधिक ऋण नहीं दे सकते।

पीएफ़सी प्रबंधन

बिल्कुल सही, बिल्कुल सही। वह हमारे ऋण के लिए है। आरईसी और पीएफसी के लिए, यह पहले 20% था। अब आरईसी मेरी ग्रुप कंपनी है, इसलिए हमारे लिए यह अब 25% है। और अगर इसका विलय (merge) किया जाता है, तो यह 20% होगा, क्योंकि तब यह सिंगल एंटीटी होगी।

पीएफ़सी प्रबंधन

लेकिन एक चीज जिसकी आपको सराहना करनी चाहिए वह मेरा कुल एक्सपोज़र है। इसलिए बैंक से मेरा कुल ऋण लगभग 15% है। इससे पहले, हम बैंक से ऋण नहीं ले रहे थे, लेकिन पिछले साल ही हमने शुरुआत की। इसलिए अब भी, बैंक से ऋण लेने के लिए पीएफसी के साथ-साथ आरईसी के पास कई कुशन उपलब्ध हैं।

पुनीत श्रीवास्तव

तो मूल रूप से, महोदय, इसका अर्थ है कि बॉण्ड और डिबेंचर के माध्यम से बैंकों द्वारा किया गया एक्सपोज़र, 20% में गिना जाएगा या नहीं?

पीएफ़सी प्रबंधन

संभवतः हां। लेकिन फिर भी, बैंक हमारे पास आ रहे हैं। वे हमें सीमा देना चाहते हैं।

पीएफ़सी प्रबंधन

कई बैंक अभी तक आए नहीं हैं। हम कई बैंकों के पास नहीं गए हैं।

पीएफ़सी प्रबंधन

और अभी भी मौजूदा बैंक हमारे पास आ रहे हैं और वे हमें और अधिक सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। इसलिए, अब तक, मुझे नहीं लगता कि कोई समस्या है।

पुनीत श्रीवास्तव

ठीक है। कोई समस्या नहीं होगी।

पीएफ़सी प्रबंधन

सभी मीडिया रिपोर्ट पीएफसी द्वारा ऋण देने के संबंध में थी, ऋण लेने के नहीं।

पुनीत श्रीवास्तव

ठीक है, ठीक है। और हमें एक स्पष्टीकरण चाहिए था कि यदि यह माना जाए कि विलय होता है, तो वास्तव में आईएनआर14,500 करोड़ के निवेश से क्या होगा? क्या इसे तुरंत निपटाने की जरूरत होगी? या इसका परिशोधन कर सकते हैं? क्या इस पर कोई स्पष्टीकरण मिल सकता है?

पीएफ़सी प्रबंधन

समेकन का नियम बहुत स्पष्ट है। यदि दो एंटीटीयों का विलय हो जाता है, तो इसका निपटान किया जाएगा। आईएनआर14,500 करोड़ मेरा निवेश है, जिसका उपयोग रिसर्व और इक्विटी के लिए किया जाएगा।

पुनीत श्रीवास्तव

ठीक है। तो इसका निपटान तुरंत करना होगा?

पीएफ़सी प्रबंधन

जी हां, जी हां।

पुनीत श्रीवास्तव

ठीक है। समझ गया, सर। और महोदय, इस मौजूदा समाधान में आईएनआर 1,700 करोड़ में से वास्तविक वसूली कितनी थी, इस राशि की वसूली कितनी थी?

पीएफ़सी प्रबंधन

अमरावती?

पुनीत श्रीवास्तव

जी हां अमरावती। माफ कीजिए, रतनइंडिया अमरावती।

पीएफ़सी प्रबंधन

रतनइंडिया अमरावती। लगभग आईएनआर4,200 करोड़।

पुनीत श्रीवास्तव

महोदय मेरा मतलब, पीएफ़सी के लिए?

पीएफ़सी प्रबंधन

करीब 50%

पीएफ़सी प्रबंधन

लगभग 50% और हमने कोई अतिरिक्त प्रावधान नहीं बनाया है क्योंकि हमारे पास पर्याप्त प्रावधान उपलब्ध है।

पीएफ़सी प्रबंधन

करीब 40% राइट-ऑफ है। तो नकद और अन्य ओसीडी के माध्यम से, हम लगभग 60% प्राप्त करेंगे।

पुनीत श्रीवास्तव

ठीक है, ठीक है। इसलिए, यदि आप देखें तो सकल एनपीए आईएनआर1,700 करोड़ तक कम हो गए हैं, लेकिन निवल एनपीए केवल आईएनआर800 करोड़ तक आ गए हैं।

पीएफ़सी प्रबंधन

देखिए, हमारे पास 50% का प्रावधान था, इसलिए नेट केवल 50% ही निकलेगा।

पुनीत श्रीवास्तव

हां। ठीक है। तो यह केवल उसी कारण है। ठीक है। और महोदय, मुझे केवल यह जानना है, आपके पास लगभग आईएनआर27,000 करोड़ एनपीए है, और निश्चित रूप से, आईएनआर9,000 करोड़ की वसूली भी अपेक्षित है। लेकिन उसी समय, एनपीए एजिंग के कारण प्रावधान की आवश्यकता बढ़ सकती है। इसलिए अगर आप हमें इस बारे में कुछ मार्गदर्शन दे सकते हैं कि अगले वर्ष किस तरह के प्रावधान की आवश्यकता हो सकती है?

पीएफ़सी प्रबंधन

मुझे लगता है कि हमें किसी अतिरिक्त प्रावधान की जरूरत नहीं है, क्योंकि हमारे पास पहले से ही 53% का प्रावधान है।

पीएफ़सी प्रबंधन

देखिएं, पहले आरबीआई के नियमों के अंतर्गत प्रावधान करना एजिंग आधारित था। लेकिन अब हम ईसीएल मॉडल का अनुसरण कर रहे हैं। यह एजिंग आधारित नहीं है। यह भविष्य की अपेक्षित नकदी प्रवाह के आधार पर है, और हम यह उम्मीद करते हैं कि किसी और प्रावधान की आवश्यकता नहीं है। हमने 53% प्रावधान किया है और हमें लगता है कि यह पर्याप्त है। और यह वास्तविकता भी है कि हमने जिसका भी समाधान किया है, जो भी प्रावधान है, वह पर्याप्त है।

पुनीत श्रीवास्तव

ठीक है। और इस आईएनआर 9,000- करोड़ों के समाधान पर, जिसकी आप अपेक्षा कर रहे हैं, आपने 47% प्रावधान किए हैं, जो आप कहते हैं कि पर्याप्त है, इसका क्या कारण है? जैसे आपको लगता है क्योंकि मार्जिन 50% से कम होगा? मेरा मतलब है, आपने यह अनुमान कैसे लगाया है?

पीएफ़सी प्रबंधन

देखिएं, हमारे पास कोई वास्तविक आंकड़े नहीं हैं। समाधान किया जा रहा है। और हम जानते हैं कि समाधान कैसे हो रहा है, हमारे पास आंकड़े हैं। और हमने उसी के आधार पर काम किया है और हमें लगता है कि हमने जो भी प्रावधान किए हैं, वे पर्याप्त हैं।

पीएफ़सी प्रबंधन

इन सभी छह मामलों में, हमने पहले ही समाधान कर लिया है। औपचारिकताएं अब पूरी की जा रही हैं। एनसीएलटी मामले में, हम जानते हैं कि सफल बोलीदाता कौन है और हमें कितनी राशि मिल रही है। और समाधान के मामलें में, पुनर्गठन योजना के अंतर्गत, हम जानते हैं कि हमें कितनी हानि हो रही हैं। इसलिए हमारे पास आंकड़े है। केवल सभी छह मामलों में, औपचारिकताओं को पूरा किया जा रहा है, और इस प्रक्रिया में कुछ समय लगेगा। इसलिए मैं कह रहा हूं कि 31 मार्च तक या अगली तिमाही तक यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

पुनीत श्रीवास्तव

ठीक है, महोदय। और इस आरबीडीडी पर सिर्फ एक आखिरी सवाल। राशि तिमाही-दर-तिमाही कम हुई है। तो क्या आप यह बता सकते हैं कि ऐसा क्यों हुआ है?

पीएफ़सी प्रबंधन

दोनों परियोजनाओं का समाधान अभी हुआ और पहले हम उन पर प्रावधान बना रहे थे। देखिएं, क्या होता है कि एक बार जब हम राइट-ऑफ करते हैं, तो उस निपटान पर जो भी नकद निहितार्थ होता है, वह अब आरबीडीडी से सामान्य रिसर्व में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसलिए आरबीडीडी में कमी आ रही है।

पुनीत श्रीवास्तव

ठीक है। धन्यवाद महोदय।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न डीएसपी म्यूचुअल फंड से धवल गड़ा की ओर से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

धवल गड़ा, डीएसपी म्यूचुअल फंड

जी। महोदय, एक बार फिर धन्यवाद। बस कुछ और बातें मैं स्पष्ट करना चाहता था। इस एथेना, भवनपदु और केवीके नीलाचल पर कोई समाधान है? और एस्सार तुरी पर भी यदि आप कोई स्पष्टीकरण प्रदान कर सकते हैं? धन्यवाद।

पीएफ़सी प्रबंधन

एथेना अर्थात ईस्ट कोस्ट। एनसीएलटी परिशोधन प्रक्रिया चल रही है।

पीएफ़सी प्रबंधन

महोदय, हमने 100% प्रावधान बना लिया है।

**ईस्ट कोस्ट के लिए 90% प्रावधान है।*

पीएफ़सी प्रबंधन

केवीएल नीलाचल भी एनसीएलटी में है। तुरी में, हमने कुछ भी स्वीकृति नहीं दी है।

धवल गड़ा

ठीक है। और महोदय, आपने इंडिया पावर हल्दिया के समाधान का उल्लेख किया है। तो समाधान क्या था? मैं उसके बारे में पूछना भूल गया। हमारा एक्सपोजर आईएनआर960 करोड़ है। लेकिन हम किस तरह के समाधान के बारे में सोच रहे हैं?

पीएफ़सी प्रबंधन

यह एक पुनर्गठन है और आरईसी एक और ऋणदाता है। आरईसी बोर्ड पहले ही मंजूरी दे चुका है। इस परियोजना में पश्चिम बंगाल विद्युत वितरण कंपनी के साथ पीपीए है, और उन्हें शक्ति के अंतर्गत कोयला संबंधित परियोजना मिली है। इसलिए वे दो यूनिटों से विद्युत जनरेट करने के लिए तैयार हैं। वे तीसरी यूनिट की शुरुआत नहीं कर रहे हैं। पुनर्गठन सभी ऋणदाताओं द्वारा अनुमोदित किया जाता है। मुझे लगता है कि केवल दो ऋणदाता हैं, आरईसी और पीएफसी। तो इसके बाद, वे विद्युत जनरेट करना शुरू कर देंगे।

धवल गड़ा

मैं समझ गया। और इस मामले और एस्सार ट्रांसमिशन में मामले में हमारा मार्जिन क्या होगा? अंतिम राइट-ऑफ कितना होगा?

पीएफ़सी प्रबंधन

एस्सार ट्रांसमिशन में, लगभग कोई मार्जिन नहीं है, क्योंकि हम कुछ दंडात्मक ब्याज की छूट के अलावा पूर्ण मूलधन, पूर्ण ब्याज प्राप्त कर रहे हैं। बस इतना ही। यह एस्सार ट्रांसमिशन शुरू की गई परियोजना है, जो अंतर्राज्यीय ट्रांसमिशन लाइन है। उन्हें सीईआरसी से चरण 1 के लिए टैरिफ मिला है और चरण 2 के लिए अनंतिम टैरिफ भी है। तो यह शुरू की गई परियोजना है, और कोई समस्या नहीं हैं।

धवल गड़ा

इंडिया पावर हल्दिया में कोई मार्जिन है?

पीएफ़सी प्रबंधन

आंकड़ें देना संभव नहीं है, लेकिन हमने इसका पुनर्गठन किया है। परियोजना से विद्युत उत्पादन शुरू हो जाएगा। हमने पुनर्भुगतान अवधि को बढ़ा दिया है। इसलिए मुझे लगता है, इस मोड़ पर, मैं वास्तव में यह निर्धारित नहीं कर पाऊंगा कि कितना मार्जिन होगा, लेकिन हम पहले से ही पर्याप्त प्रावधान कर चुके हैं।

पीएफ़सी प्रबंधन

हमने 31% प्रावधान कर लिया है।

पीएफ़सी प्रबंधन

31% प्रावधान पहले से ही उपलब्ध है।

धवल गड़ा

मैं समझ गया। ठीक है महोदय। धन्यवाद। बहुत-बहुत धन्यवाद महोदय।

पीएफ़सी प्रबंधन

धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न बी एवं के प्रतिभूति से जय मुंधरा की ओर से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

जय मुंधरा, बी एवं के प्रतिभूति

जी। नमस्कार महोदय। फिर से अवसर देने के लिए धन्यवाद। महोदय, क्या आप आरकेएम पावर से मार्जिन या अपेक्षित वसूली निर्दिष्ट कर सकते हैं?

पीएफ़सी प्रबंधन

महोदय, हमारे पास 45% प्रावधान है। यह काफी है।

पीएफ़सी प्रबंधन

यह परिमाणित करना बहुत मुश्किल है, लेकिन हमें सकारात्मक रहना होगा। पहली बात, पायलट योजना के अंतर्गत 550-मेगावाट नए पीपीए मिले हैं। उन्होंने 1 फरवरी से ही बिजली की आपूर्ति शुरू कर दी है। कल, मैं यूपी में था और उनसे अनुरोध किया कि वे अपने प्राप्तियों का भुगतान करें और कुछ व्यवस्था करें। इसलिए आपको इसका बेहतर पक्ष देखना होगा। तो शायद लगभग 40%। मुझे यकीन नहीं है क्योंकि हम इसका पुनर्गठन कर रहे हैं।

पीएफ़सी प्रबंधन

देखिए, हमने पहले ही आपको उन छह परियोजनाओं बारे में बता दिया है, जिनका हम समाधान कर रहे हैं। उस पर हमने पहले ही पर्याप्त प्रावधान कर दिया है, और हम इन परियोजनाओं पर किसी भी अधिक मार्जिन की उम्मीद नहीं कर रहे हैं।

पीएफ़सी प्रबंधन

बिलकुल ठीक, महोदय। 40% से 50% एक व्यापक रेंज होनी चाहिए?

पीएफ़सी प्रबंधन

हमने 47% प्रावधान पहले ही कर दिया है जिसके बारे में हमने आपको पहले ही सूचित कर दिया है।

जय मुंधरा

बिलकुल ठीक, महोदय। और महोदय, जैसा की आपने बताया आपके पास विदर्भ में रोज़ा का एक्सपोजर नहीं है।

पीएफ़सी प्रबंधन

नहीं, महोदय। विदर्भ में आरईसी के पास एक्सपोजर है। रोज़ा में भी हमारे पास एक्सपोजर नहीं है। केवल सासन और उनके वितरण कंपनियों के पास एक्सपोजर है।

जय मुंधरा

ठीक महोदय। और महोदय, मेरा मतलब है, कि क्या आप अन्य परियोजनाओं के बारे में कुछ बता पाएंगे? मेरा मतलब है जैसे कि समझ लीजिए 15 प्लस 19, ऐसे 29 परियोजनाएं दबावग्रस्त हैं। और आपने छह परियोजनाओं के बारे में विवरण दिया है। और आपने लगभग तो नामों का उल्लेख किया है। क्या यह संभव है कि आप कुछ और नाम भी बताएं?

पीएफ़सी प्रबंधन

अन्य परियोजनाओं के लिए हम समाधान की कोशिश कर रहें हैं। कुछ परियोजनाएं जिन्हें हम एनसीएलटी के बाहर निपटाने की कोशिश कर रहें हैं उनमें शिगा और डांस एनर्जी शामिल है। यह शुरू की गई जल विद्युत परियोजनाएं हैं। पिछले वर्ष, हमें डेन्स से आईएनआर70 करोड़ और शिगा से भी आईएनआर70 करोड़ प्राप्त हुए। ये समाधान के काफी करीब है। इसी प्रकार, केएसके एनर्जी भी एमसीएलटी में है। और आरपी पहले ही नियुक्त किया गया है। प्रक्रिया अब शुरू हो जाएगी। एनटीपीसी ने झाबुआ का अधिग्रहण कर लिया है तो हो सकता है कि वे केएसके का भी अधिग्रहण करें। इसलिए हम अच्छी प्रतिस्पर्धा की उम्मीद करते है। एनटीपीसी की दौड़ में शामिल होने से बाज़ार में अच्छे खरीददार भी आ गए हैं।

जय मुंधरा

बिलकुल ठीक। और महोदय, बस एक आखिरी प्रश्न। एस्सार ट्रांसमिशन के बारे में आपने कहा था कि समाधान योजना मौजूदा ऋणकर्ता द्वारा पुनर्गठित है, ठीक महोदय?

पीएफ़सी प्रबंधन

आरईसी एवं पीएफ़सी एवं एक्सिस बैंक ऋणदाता हैं। आज, हमारे निदेशक मंडल ने मंजूरी दे दी है। आरईसी निदेशक मंडल ने इसे पहले ही मंजूरी दे दी है। अब एक्सिस बैंक ने भी मंजूरी दे दी है, तो पुनर्गठन शुरू किया गया है।

जय मुंधरा

ठीक। नहीं, नहीं, मैं कह रहा हूँ कि समाधान योजना मौजूदा ऋणकर्ता द्वारा पुनर्गठित किया जा रहा है।

पीएफ़सी प्रबंधन

जी हां।

जय मुंधरा

तो जब तक आप भुगतान का 20% प्राप्त नहीं करते, आप शायद प्रावधान को रिवर्स नहीं कर पाएंगे। क्या यह समझना सही है या नहीं?

पीएफ़सी प्रबंधन

देखिए, हमें यह इंड एएस अकाउंटिंग के दृष्टिकोण से देखना होगा, और फिर हम तदनुसार निर्णय लेंगे।

जय मुंधरा

जी महोदय। बहुत-बहुत धन्यवाद महोदय।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न आईडीएफ़सी सिक्युरिटीज से महरुख अडजानिया की ओर से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

महरुख अडजानिया, आईडीएफ़सी सिक्युरिटीज

जी, नमस्कार महोदय। महोदय, मैं भी आरकेएम पावरजेन के बारे में जानना चाहता था। वह भी पुनर्गठित हो रहा है? तब हम उसे अपग्रेड कर कर सकते हैं?

पीएफ़सी प्रबंधन

जी, बिलकुल ठीक। इंड एएस दिशानिर्देशों के अनुसार, हमें उसे भी देखना होगा।

पीएफ़सी प्रबंधन

देखिएं, एक बार समाधान होने पर, हम दिशनिर्देशों को देखेंगे और फिर तदनुसार हम अपने बही खातों में उसे दिखाएंगे।

महरुख अडजानिया

ठीक है। धन्यवाद, महोदय।

पीएफ़सी प्रबंधन

बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। देवियों और सज्जनों, समय के अभाव के कारण, यह आखिरी प्रश्न था। मैं अब सम्मेलन समापन के लिए सुश्री श्वेता दफ़्तरदार को अनुरोध करता हूँ।

पीएफ़सी प्रबंधन

धन्यवाद, फैजन। प्रभुदास लीलाधार की ओर से, हम अवसर प्रदान करने के लिए पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन टीम को धन्यवाद देते हैं। आप सभी को धन्यवाद।

पीएफ़सी प्रबंधन

अवसर प्रदान करने के लिए आप सभी को धन्यवाद।

***